खबर ही खबर

हर पल, हर ख़बर आपके साथ

सुविचार -

ऊंचाई पर वे ही पहुंचते हैं
जो बदला नहीं
बदलाव लाने की सोच रखते हैं !

Tuesday 16th September 2025 वर्ष - 1 , अंक 6 , पृष्ठ ०1

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा की गाइडलाइन जारी, धार्मिक प्रतीक चिन्हों को उतारा नहीं जाएगा, गहनता से होगी जांच

संवाददाता | जयपुर

, राजस्थान: राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने 19 सितंबर को होने वाली चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत, उम्मीदवारों को धार्मिक प्रतीकों के साथ परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई है, लेकिन इन प्रतीकों की गहन जांच की जाएगी।जयपुर नौकरियां

धार्मिक प्रतीकों की गहन जांच

गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई अभ्यर्थी धार्मिक प्रतीक चिन्ह धारण कर आता है, तो उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले हटाया नहीं जाएगा। हालांकि, किसी भी प्रकार के संदेह की स्थिति में, गहनता से जांच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन प्रतीकों में नकल का कोई उपकरण तो नहीं छिपाया गया है। पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही उम्मीदवार को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।

सिख धर्म के अभ्यर्थियों को विशेष छूट

विशेष रूप से सिख धर्म के अभ्यर्थियों के लिए दिशानिर्देशों में छूट दी गई है। उन्हें कड़ा, कृपाण और पगड़ी जैसे धार्मिक प्रतीकों को धारण कर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति है। हालांकि, कृपाण छोटी और ढकी हुई होनी चाहिए और उसे परीक्षा की मेज पर रखने की अनुमति नहीं होगी। इन उम्मीदवारों को परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा ताकि गहन जांच की प्रक्रिया पूरी हो सके। यदि जांच के दौरान इन प्रतीकों में कोई नकल का उपकरण पाया जाता है, तो संबंधित उम्मीदवार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहचान और अन्य आवश्यक सामग्री

परीक्षा में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने साथ एक फोटो पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा, जिसमें उनकी जन्मतिथि अंकित हो। आधार कार्ड को प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन विशेष परिस्थितियों में पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या मतदाता पहचान पत्र का उपयोग भी किया जा सकता है।

इसके अलावा, उम्मीदवारों को अपनी उपस्थिति शीट पर एक मूल रंगीन फोटो भी चिपकानी होगी, जिसकी जांच सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाएगी। परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को पारदर्शी नीले रंग की स्याही वाला बॉल पेन लाना होगा। किसी भी अन्य सामग्री को परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

संजोग या सजा? एक दिन पहले 7 की मौत, अंतिम संस्कार में गए 7 लोग डूबे पानी में, 2 की गई जान

एनीकट में डूबे 7 युवकों में से 2 की मौत हो गई, जबकि, एक लापता है

Khabar Hi Khabar

भीलवाड़ा: फूलिया कला गांव पर जैसे दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है. रविवार को जयपुर के शिवदासपुरा में हुए भयावह हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जिसमें भीलवाड़ा के फूलिया गांव के अशोक वैष्णव, उनकी पत्नी सीमा देवी, बेटा रोहित और पोते गजराज शामिल थे. यह भयावह घटना पूरे गांव के लिए मानो किसी बुरे सपने जैसी थी. सोमवार की सुबह जब चारों शव गांव लाए गए, तो हर चेहरा आंसुओं से भीगा हुआ था. शाहपुरा के धानेश्वर रोड स्थित श्मशान घाट पर जब तीन पीढ़ी की चार चिताएं एक साथ जलीं, तो वहां मौजूद लोगों की आंखों में बसी नमी मानो यह कह रही थी,"यह कैसा सितम है" लेकिन फूलिया कला गांव में शोक की लहर अभी यहीं नहीं थमी. गांव के लोग अभी एक हादसे से उबरे भी नहीं थे कि एक और हादसा हो गया.

अंतिम संस्कार के बाद परिवारजन और ग्रामीण पास ही मौजूद खारी नदी के एनिकट पर नहाने के लिए पहुंचे, लेकिन नियति को यहां पर कुछ और ही मंजूर था. नहाने के लिए पानी में उतरे सात युवक एनीकट में डूबने लगे. वहां मौजूद लोगों ने तत्काल सभी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इस हादसे में दो युवक महेंद्र माली और बरदी चंद की सांसें थम गईं, एक और युवक महेश अब भी लापता है, जबकि चार युवकों को ग्रामीणों ने समय रहते बाहर निकाल लिया.

गांव में पसरा मातम: शाहपुरा ASP राजेश आर्य ने बताया कि एनीकट में डूबे 7 युवकों में से 2 की मौत हो गई, जबकि, एक लापता है, बाकी 4 घायलों को ग्रामीणों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है. डॉक्टर के अनुसार चारों की हालत अभी गंभीर है. इस हादसे के बाद गांव में मातम फैल गया, जो लोग पहले ही अपने करीबी खो चुके थे, अब उनके बीच यह नया हादसा गहरे घाव छोड़ गया. हर कोई सहमा हुआ है. गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा है. हर घर में खामोशी छाई हुई है. सभी लोग लापता युवक की कुशलता और घायलों के ठीक होने की कामना कर रहे हैं.

BJP की इस समिति में सिंधिया शामिल, नए च

नेता, अधिकारी पहुंचे अस्पताल:

हादसे की खबर मिलते ही भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक डॉ. लालाराम बैरवा और जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु शाहपुरा जिला चिकित्सालय पहुंचे. उन्होंने अस्पताल में भर्ती युवकों का हाल जाना, डॉक्टरों से बातचीत कर बेहतर इलाज के निर्देश दिए और परिवारों को ढांढस बंधाया. साथ ही उन्होंने प्रशासन से कहा कि हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए. कलेक्टर ने जांच कराने और पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद पहुंचाने की प्रक्रिया तेज करने का भरोसा दिलाया.

सरदारशहर : बीएससी ने जीता फाइनल मुकाबला

संवाददाता | दतिया

सरदारशहर,केकेसी पीजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न रोचक मुकाबले खेले गए।
कैरम के फाइनल मैच में बीए के समीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीसीए के मो.शाहिद को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं शतरंज के फाइनल मुकाबले में बीसीए के करण भाटी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अपने ही साथी खिलाड़ी बीसीए के नवरंग शर्मा को करारी शिकस्त दी।
क्रिकेट का फाइनल मुकाबला पीजीडीसीए व बीएससी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बीएससी की टीम ने 165 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में पीजीडीसीए की पूरी टीम महज 56 रन पर ही सिमट गई। बीएससी ने यह खिताबी मुकाबला एकतरफा अंदाज में जीत लिया। शानदार ऑलराउंड खेल के लिए बीएससी के शनिप्रताप 'मैन ऑफ द मैच' चुने गए। निर्णायक की भूमिका श्याम सुंदर व विवेक मिश्रा ने निभाई।
महाविद्यालय के उप-प्राचार्य मेहबूब अली चौहान ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेलों से छात्रों में शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास के साथ-साथ अनुशासन और टीम भावना का भी संचार होता है।

पुलिस वाहन के ड्राइवर को थप्पड़ मारने के आरोप में DSP पर कार्रवाई, APO ने जयपुर भेजा

आरोप है कि डीएसपी ने ड्राइवर से गाली गलौज की और थप्पड़ मार दिया

बाड़मेर: अपने सरकारी ड्राइवर को थप्पड़ मारने के मामले में चौहटन पुलिस उपाधीक्षक जीवनलाल खत्री को एपीओ कर दिया गया. मामले की विभागीय जांच चल रही है. जीवनलाल पर पुलिस वाहन के ड्राइवर (हेड कांस्टेबल) रामूराम मेघवाल ने थप्पड़ मारने का आरोप है.

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि घटना के बाद मैंने डीएसपी जीवनलाल के रीडर गोपीकिशन से फोन पर बात की. रीडर ने माना कि डीएसपी ने ड्राइवर को थप्पड़ मारा था. इस मामले की जांच एएसपी जसाराम बॉस को सौंपी गई. डीएसपी, ड्राइवर और रीडर ने लिखित में अपनी गलती स्वीकारी है. इस मामले में अब रेंज ऑफिस से एडिशनल एसपी आकर आगे की जांच करेंगे. डीएसपी जीवनलाल खत्री को एपीओ कर दिया है. इससे पहले डीएसपी थप्पड़ मारने की घटना से इनकार करते रहे. चालक को पहले ही पुलिस लाइन में लगा दिया गया था.

गौरतलब है कि 11 सितंबर की रात धनाऊ थाना इलाके से जांच के बाद डीएसपी जीवनलाल सरकारी गाड़ी से चौहटन लौट रहे थे. इस दौरान डीएसपी जीवनलाल और पुलिस ड्राइवर रामूराम के बीच किसी बात पर बहस हो गई. आरोप है कि डीएसपी ने ड्राइवर से गाली गलौज की और थप्पड़ मार दिया. इसके बाद मामला चर्चा में आ गया. नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी.

21 सितंबर का साल का आखिरी सूर्य ग्रहण: क्या भारत में होगा नजर?

बीते दिनों साल का आखिरी चंद्र ग्रहण लगा, जो कि ब्लड मून था. यह चंद्र ग्रहण भारत में नजर आया था. वहीं, अब 21 सितंबर को साल का आखिरी सूर्य ग्रहण भी लगने जा रहा है, जिसे लेकर लोगों में जानने की उत्सुकता है कि क्या भारत के लोग इस ग्रहण को देख पाएंगे या नहीं.

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 को लगेगा और इस दिन सर्व पितृ अमावस्या भी रहेगी. 21 सितंबर को पितृ पक्ष की समाप्ति भी हो जाएगी. इसके अगले दिन से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत भी हो जाएगी. 21 सितंबर को लगने जा रहा ग्रहण आंशिक सूर्य ग्रहण होगा.

भारतीय समय के मुताबिक, सूर्य ग्रहण 21 सितंबर को रात 11 बजे से लेकर 22 सितंबर को देर रात 3 बजकर 23 मिनट पर होगा. इस ग्रहण की कुल अवधि 4 घंटे से ज्यादा की होगी. इसमें चंद्रमा सिर्फ सूर्य के एक हिस्से को ढकेगा, जिससे सूरज अर्धचंद्राकार टुकड़े की तरह दिखेगा.

21 सितंबर को लगने जा रहा यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा. यह सूर्य ग्रगण न्यूजीलैंड, ईस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, साउथ पैसिफिक आइसलैंड, अंटार्कटिका की कुछ जगहों पर देखा जाएगा. रात के समय लगने के कारण भारत के लोग इस सूर्य ग्रहण को नहीं देख पाएंगे.

सूर्य ग्रहण लगने से 12 घंटे पहले इसका सूतक काल शुरू हो जाता है. हालांकि, साल का आखिरी सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा. ऐसे में आप बिना किसी रुकावट के अमावस्या का श्राद्ध और पूजा आदि कर सकते हैं.

ज्योतिष के मुताबिक, 21 सितंबर को लगने जा रहा साल का आखिरी सूर्य ग्रहण कन्या राशि में लगेगा. इस दौरान सूर्य कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में रहेंगे. ऐसे में ज्योतिष की मानें तो इस सूर्य ग्रहण का 12 राशियों पर असर देखने को मिल सकता है.

आवारा सांड ने राह चलते बुजुर्ग को सींगों से उछालकर मारा, मौत

बालोतरा : राजस्थान के बालोतरा जिले में आवारा सांड ने राह चलते एक बुजुर्ग मिठाई विक्रेता की जान ले ली. घर से निकालकर बाहर जा रहे बुजुर्ग को पीछे से एक आवारा सांड ने सींग मारते हुए करीब 5 फीट तक ऊपर उछाल कर सड़क पर पटक दिया. अस्पताल ले जाते समय बुजुर्ग की मौत हो गई. यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है. यह रविवार शाम की घटना है. सांड ने एक व्यक्ति को सींग मारकर पटका था. इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले गए थे. वहां से जोधपुर रेफर किया गया था. इस दौरान उनकी मौत हो गई. पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

प्रत्यक्षदर्शी पड़ोसी जितेंद्र के अनुसार बालोतरा शहर निवासी बुजुर्ग मिठाई विक्रेता मोतीलाल रविवार दोपहर को अपने घर खाना खाने के लिए आए थे. घर में आराम करने के बाद शाम को करीब 4 बजे वह वापस अपनी दुकान पर लौट रहे थे. पैदल-पैदल घर से कुछ दूर ही पहुंचे थे कि इस दौरान एक आवारा सांड ने पीछे से उनको सींग मारकर करीब 5 फीट ऊपर उछालकर सड़क पर जोरदार पटक दिया. इसके बाद आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया. यहां से उन्हें रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई.

राजस्थान में बड़ा प्रशासनिक बदलाव: 222 RAS अधिकारियों के हुए तबादले

जयपुर

: राजस्थान सरकार ने सोमवार को राज्य की नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया है. कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार कुल 222 राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) अधिकारियों के तबादले किए गए हैं. इसके अलावा 13 अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है. वहीं, तीन अधिकारियों के पूर्व में किए गए तबादले निरस्त कर दिए गए हैं. देखिए लिस्ट.

राज्य सरकार ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तुरंत अपने नए पदस्थापन स्थल पर ज्वाइन करें. इन तबादलों को लेकर नौकरशाही के गलियारों में चर्चा तेज है. कई अधिकारियों ने इसे प्रशासनिक जरूरत बताते हुए शीघ्र प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

तीन माह पहले भी हुए थे बड़े तबादले: बता दें कि इससे पहले जुलाई में आईएएस और आरएएस के तबादले हुए थे. इस दौरान 91 आईपीएस, 133 आरएएस और 12 आईएएस के तबादले हुए थे. इसके बाद में अब आरएएस के तबादलों की जम्बो लिस्ट जारी हुई है. आठ विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार भी बदले: राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की तबादला सूची में आठ विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार में बदले गए हैं, इनमें राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर और कोटा भी शामिल है.

इन प्रमुख पदों पर हुए तबादले

दिनेश जांगिड़- संयुक्त सचिव, पशुपालन विभाग जयपुर,असलम शेर खान- संयुक्त सचिव, अल्पसंख्यक मामलात विभाग जयपुर,नरेंद्र बंसल- अतिरिक्त आयुक्त, नगर निगम जयपुर ग्रेटर,आनंदी लाल वैष्णव- संयुक्त सचिव, गृह विभाग,सुरेश कुमार नवल, सचिव, भरतपुर विकास प्राधिकरण,पंकज कुमार ओझा- निदेशक, गोपालन जयपुर,आशु चौधरी- रजिस्ट्रार, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर,अमृत चौधरी- संयुक्त सचिव, जल संसाधन विभाग,शैलेंद्र देवड़ा- अतिरिक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा बीकानेर,आशीष कुमार शर्मा- संयुक्त सचिव, कार्मिक विभाग जयपुर,राजपाल सिंह- रजिस्ट्रार कोटा विश्वविद्यालय,प्रतिभा पारीक- अतिरिक्त आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण,कश्मी कौर-रजिस्ट्रार, गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय बांसवाड़ा,नीलिमा तक्षक- अतिरिक्त संभागीय आयुक्त भरतपुर,अलका मीना- सचिव,,राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड जयपुर,गुंजन सोनी- रजिस्ट्रार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर,ओम प्रकाश मेहरा- आयुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण,अशोक कुमार- उपसचिव, राजस्थान अबासन मंडल जयपुर,गोपाल सिंह- सचिव, राजस्थान आवासन मंडल जयपुर,राजेश जोशी, उपसचिव प्रशासनिक सुधार विभाग,जितेश मालवीय- अतिरिक्त आयुक्त देवस्थान विभाग,ममता यादव- रजिस्ट्रार, बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय जयपुर,रेखा सांवरिया- उप सचिव, संस्कृत शिक्षा विभाग जयपुर

इंद्रजीत सिंह- उप सचिव, आयुर्वेद विभाग जयपुर,सावन कुमार-रजिस्ट्रार राजस्थान पशु चिकित्सा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय जोबनेर जयपुर,गोमती शर्मा- सचिव, संगीत नाटक अकादमी जोधपुर,सुरेंद्र कुमार जाट- उपनिदेशक, इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान जयपुर

कुंतल बिश्नोई-उपनिदेशक, महिला अधिकारिता विभाग जयपुर,मुकेश चौधरी- सचिव,कोटा विकास प्राधिकरण,चेतन कुमार त्रिपाठी- ओएसडी, आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विश्वविद्यालय अजमेर,पंकज शर्मा- रजिस्ट्रार, राजस्थान पशु चिकित्सालय पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर,रेणु मीणा- सहायक आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले विभाग जयपुर,संघमित्रा बरधीया- जिला रसद अधिकारी द्वितीय जयपुर,अनूप सिंह- प्रोटोकॉल अधिकारी, सामान्य प्रशासन विभाग जयपुर,हिना कल्ला- रजिस्ट्रार, महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय जोधपुर.

फेसबुक पर हुई दोस्ती बनी खतरनाक: 600 किमी दूर प्रेमी से मिलने पहुंची युवती, हुआ दर्दनाक हादसा

बाड़मेर : करीब 1 साल पहले सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती के बाद प्रेमिका 600 किलोमीटर दूर कार लेकर अपने दोस्त से मिलने के लिए झुंझुनू से बाड़मेर पहुंची. यहां पर उसके सरकारी शिक्षक दोस्त ने उसे मौत के घाट उतार दिया. इस हत्या को एक्सीडेंट का रूप देने के लिए आरोपी ने महिला की गाड़ी में ड्राइवर सीट पर शव रखकर बलदेव नगर इलाके में छोड़कर फरार हो गया.

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि रीको थाना क्षेत्र के इलाके में एक कार में महिला की डेड बॉडी पड़ी है. आरोप है कि 38 वर्षीय सरकारी टीचर ने झुंझुनू के चिड़ावा की रहने वाली 37 वर्षीय महिला की हत्या कर दी है. आरोपी बाड़मेर के सदर थाना इलाके का रहने वाला है. महिला का शव रीको थाना इलाके में खड़ी कार में ड्राइविंग सीट पर मिला है.

सोमवार सुबह महिला का शव गाड़ी में मिलने से सनसनी फैल गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद बाड़मेर पुलिस तुरंत हरकत में आई और तुरंत मौके पर पहुंची. घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी नरेंद्र सिंह मीणा समेत पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे. घटना स्थल का मौका मुआयना करने के साथ ही पुलिस ने एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीमों को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए.

एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच पड़ताल में यह बात सामने आई है कि सरकारी टीचर की अक्टूबर 2024 में फेसबुक के जरिए झुंझुनू की रहने वाली महिला से दोस्ती हुई. 10 सितंबर को महिला यहां आई थी और रविवार को प्रेमी के गांव गई थी. आरोपी शिक्षक का अपनी पत्नी से अनबन चल रहा है, इसलिए दोनों अलग-अलग रहते हैं और तलाक का मामला चल रहा है. ऐसे में आरोपी ने महिला को अपने घर बुलाकर हत्या कर दी. इसके बाद महिला की गाड़ी में उसकी बॉडी को रखकर रीको थाना क्षेत्र में खड़ा कर दिया. पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना करके पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है. हालांकि, हत्या करने के पीछे के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है.

शहरी सेवा शिविर 31 दिसंबर 2021 से पहले कब्जे वाले मामलों में कच्ची बस्तीवासियों को पट्टे दिए जाएंगे.

17 सितंबर से लगेंगे शहरी सेवा शिविर: भू-उपयोग परिवर्तन, पट्टे और बकाया लीज राशि पर मिलेगी छूट

जयपुर: राज्य सरकार ने शहरी सेवा शिविरों में राहतों का सबसे बड़ा पैकेज खोला. रविवार को जारी अधिसूचना और तैयार प्रस्ताव के अनुसार, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले शिविरों में भू-उपयोग परिवर्तन से लेकर पट्टे, भवन निर्माण स्वीकृति और बकाया लीज राशि तक के मामलों में बड़ी छूट दी जाएगी. खासतौर पर छोटे भूखंडधारियों और गरीब वर्ग को सर्वाधिक लाभ मिलेगा. मध्यम वर्ग को आंशिक और उच्च वर्ग को न्यूनतम राहत का प्रावधान है. इसके साथ ही महापौर और आयुक्त के अधिकार भी बढ़ाए गए हैं.

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रशासन शहरों के संग अभियान में कई बड़ी छूट दी थी. जारी अधिसूचना में भाजपा सरकार ने शहरी सेवा शिविर में बाशिंदों को बड़ी राहत का ऐलान किया. नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के तैयार प्रस्ताव में सरकार ने इस बार बकाया लीज राशि पर ब्याज की 100 फीसदी, छोटे भूखंडधारकों को रिन्यूअल और रूपांतरण शुल्क में 75 प्रतिशत तक की छूट, प्रीमियम दरों में कमी और भवन निर्माण स्वीकृति के लिए आसान शर्तें रखी हैं. खास बात ये है कि 69ए के पट्टे के लिए 200 की जगह 100 रुपए प्रति वर्गमीटर शुल्क ही लिया जाएगा. अब कोई भी अफसर मौका निरीक्षण करने नहीं जाएंगे.

राहत का पिटारा

भू-उपयोग परिवर्तन

गैर-व्यावसायिक से व्यावसायिक में परिवर्तन पर 250 वर्गमीटर तक के भूखंड पर 50% छूट
शुल्क केवल आरक्षित दर का 20% या डीएलसी दर का 10% होगा
250-500 वर्गमीटर पर 25% छूट मिलेगी
व्यावसायिक छोड़कर अन्य उपयोग में परिवर्तन पर 500 वर्गमीटर तक 50% छूट
500 से 1000 वर्गमीटर तक 25% छूट रहेगी
इसके बाद शुल्क केवल आरक्षित दर का 10% या डीएलसी दर का 5% देना होगा

बकाया लीज राशि पर

वर्ष 2025–26 तक की बकाया लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर 100% ब्याज माफ
31 दिसंबर 2025 तक फ्रीहोल्ड प्रमाण पत्र लेने पर बकाया राशि में 60% तक छूट
पुनर्ग्रहण शुल्क (तय समय पर निर्माण नहीं करने पर जुर्माना)
250 वर्गमीटर तक : 75% छूट
251-500 वर्गमीटर : 50% छूट
501-1000 वर्गमीटर : 25% छूट

प्रीमियम दरों में कमी: 1 अप्रैल 2021 से बढ़ी दरें घटाई

100 वर्गमीटर तक : 25% छूट
101-200 वर्गमीटर : 15% छूट

भवन निर्माण स्वीकृति

जी+1 मंजिल तक मकान निर्माण स्वीकृति पर मानचित्र शुल्क में 50% छूट
नक्शा स्वीकृति शुल्क घटाकर केवल 30 रुपए प्रति वर्गमीटर किया

उपविभाजन व पुनर्गठन शुल्क

आवासीय भूखंडों में 75% तक छूट
250 वर्गमीटर तक : ₹19 प्रति वर्गमीटर
251-500 वर्गमीटर : ₹38 प्रति वर्गमीटर
501-1000 वर्गमीटर : ₹57 प्रति वर्गमीटर

व्यावसायिक और औद्योगिक भूखंड

गैर-आवासीय से व्यावसायिक रूपांतरण पर 20-40% तक राहत
औद्योगिक भूखंडों में रूपांतरण शुल्क में 50% तक कमी

फ्रीहोल्ड, लीज प्रमाण पत्र और रजिस्ट्री

फ्रीहोल्ड सर्टिफिकेट के लिए केवल 10 वर्ष की न्यूनतम राशि जमा करानी होगी
पंजीकरण शुल्क और स्टाम्प ड्यूटी पर भी राहत
69ए पट्टों के लिए शुल्क ₹200 की जगह ₹100 प्रति वर्गमीटर होगा

तकनीकी परीक्षण की नई व्यवस्था

500 वर्गमीटर तक और 15 मीटर ऊंचाई तक वरिष्ठ प्रारूपकार, टाउन प्लानर सहायक और कनिष्ठ अभियंता जांच करेंगे
1000 वर्गमीटर तक अधीनस्थ अधिकारी देखेंगे
इससे बड़े प्रकरण वरिष्ठतम नगर नियोजक के पास भेजे जाएंगे
ले-आउट प्लान 2 हेक्टेयर तक कनिष्ठ स्तर के अधिकारी, उससे बड़े मामले वरिष्ठतम नगर नियोजक देखेंगे

महापौर-आयुक्त को अधिकार, बनेगी एंपावर्ड कमेटी: भू-आवंटन, पट्टा जारी करने, भवन स्वीकृति, भू-उपयोग परिवर्तन और ले-आउट प्लान जैसे सभी कार्यों के लिए अब एक ही एंपावर्ड कमेटी होगी. इसके अध्यक्ष महापौर, सभापति या अध्यक्ष होंगे. कमेटी में सदस्य आयुक्त, नगर नियोजक, अभियंता और विधि अधिकारी होंगे. निर्णय के बाद आयुक्त एकल हस्ताक्षर से पट्टे और आदेश जारी कर सकेंगे.

कच्ची बस्तियों और 90ए-90बी कॉलोनियों को राहत :31 दिसंबर 2021 से पहले कब्जे वाले मामलों में कच्ची बस्तीवासियों को पट्टे दिए जाएंगे. पहले अहस्तांतरणीय पट्टे अब 3 साल बाद हस्तांतरणीय हो जाएंगे. मूल पट्टाधारी ने भूखंड बेच दिया हो और वो बार-बार पंजीकृत दस्तावेजों से बिका हो तो अंतिम खरीदार को 10 प्रति वर्गमीटर रुपए की दर से राशि जमा कर पट्टा मिलेगा. 90ए या 90बी प्रक्रिया पूरी कर चुके कृषि भूमि पर बसे कॉलोनियों को ब्याज में 100% छूट मिलेगी. अपंजीकृत दस्तावेजों से खरीदे भूखंडों पर पट्टा देते समय कोई पेनल्टी नहीं लगेगी.

आवेदन प्रक्रिया :आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से स्वीकार होंगे. ऑफलाइन आवेदन को निकाय पहले ऑनलाइन दर्ज करेगा तभी छूट का लाभ मिलेगा. पुराने लंबित ऑफलाइन प्रकरण भी पहले ऑनलाइन किए जाएंगे. बहरहाल, सरकार के इस कदम ने गरीब और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा राहत दी. महापौर-आयुक्त को मिले नए अधिकार और तकनीकी परीक्षण की स्पष्ट व्यवस्था से प्रकरणों के निस्तारण में तेजी आने की उम्मीद है.

गांधीधाम से सियालदह ट्रेन 17 सितंबर से 11 नवंबर तक चलेगी. सांगानेर से पुणे तक दो विशेष ट्रेन चलाई जाएगी. पुणे-सांगानेर बाय वीकली स्पेशल ट्रेन 25 सितंबर से 7 नवंबर के बीच चलेगी. सांगानेर से पुणे के बीच 26 सितंबर से 29 नवंबर तक वीकली स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी

कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि गांधीधाम से सियालदह ट्रेन 17 सितंबर से 11 नवंबर तक चलेगी

दुर्गा पूजा और दिवाली पर विशेष ट्रेन सेवा: कोटा से कोलकाता, पुणे, कानपुर और गांधीधाम की यात्रा होगी आसान, देखें टाइम टेबल

कोटा: रेलवे इस दिवाली और दुर्गा पूजा पर पूजा एक्सप्रेस के नाम से विशेष ट्रेनें चलाएगा. जयपुर के सांगानेर से महाराष्ट्र के पुणे के बीच दो विशेष ट्रेन और गुजरात के गांधीधाम से सियालदह तक विशेष ट्रेन की घोषणा की गई. ये तीनों ट्रेन कोटा से गुजरेगी. इससे कोटा के लोग पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की यात्रा कर सकेंगे.

कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि गांधीधाम से सियालदह ट्रेन 17 सितंबर से 11 नवंबर तक चलेगी. सांगानेर से पुणे तक दो विशेष ट्रेन चलाई जाएगी. पुणे-सांगानेर बाय वीकली स्पेशल ट्रेन 25 सितंबर से 7 नवंबर के बीच चलेगी. सांगानेर से पुणे के बीच 26 सितंबर से 29 नवंबर तक वीकली स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी. इससे पहले रेलवे ने निजामुद्दीन से पुणे के बीच वीकली व बाय वीकली और सांगानेर से पुणे के बीच वीकली स्पेशल ट्रेन पहले ही घोषित कर रखी है, जो अलग तिथियां में चलेगी. हिसार से पुणे विशेष ट्रेन जयपुर और कोटा होकर चलाने की घोषणा पहले ही कर दी गई.

गाड़ियां और उनका टाइम टेबल

गांधीधाम–सियालदह–गांधीधाम वीकली फेस्टिवल स्पेशल: ट्रेन नंबर 09437 गांधीधाम–सियालदह 17 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चार फेरे करेगी. हर बुधवार शाम 6:25 बजे गांधीधाम से रवाना होगी और गुरुवार सुबह 9:10 बजे कोटा आएगी. शुक्रवार शाम 4:15 बजे सियालदह पहुंचेगी. वापसी में ट्रेन 09438 सियालदह–गांधीधाम 20 सितंबर से 11 अक्टूबर 2025 के बीच चार फेरे करेगी. यह सियालदह से हर शनिवार सुबह 5:15 बजे रवाना होगी. रविवार सुबह 10:25 बजे कोटा और सोमवार तड़के 2:00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी. समाखियाली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, इदगाह, टुंडला, कानपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर व बर्द्धमान स्टेशन पर रुकेगी. इस ट्रेन में स्लीपर के 5, थर्ड एसी के 10, सैकंड एसी के 1 मिलाकर 18 कोच हैं.

पुणे–सांगानेर–पुणे बाय वीकली फेस्टिवल स्पेशल: पुणे से जयपुर के सांगानेर 25 सितंबर से 6 नवंबर के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. यह ट्रेन नंबर 01411 पुणे निजामुद्दीन सांगानेर बाय वीकली स्पेशल हर गुरुवार व रविवार को चलेगी. वापसी में 26 सितंबर से 7 नवंबर के बीच ट्रेन 01412 सांगानेर से पुणे चलेगी. हर शुक्रवार व सोमवार को सांगानेर से सुबह 11:35 बजे रवाना होगी. दोपहर 2:55 बजे कोटा और अगले दिन सुबह 9:30 बजे पुणे पहुंचेगी. ट्रेन दोनों तरफ से 13-13 फेरे करेगी. इसमें स्लीपर के 6, थर्ड एसी के 4, जनरल के 6, एसएलआर के 2 मिलाकर 18 कोच हैं. पुणे ट्रेन की बुकिंग खोल दी गई. सांगानेर से अभी बाकी है. लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा व सवाई माधोपुर स्टेशन पर रुकेगी.

पुणे-सांगानेर-पुणे वीकली फेस्टिवल स्पेशल: ट्रेन नंबर 01405 पुणे-सांगानेर के बीच 26 सितंबर से 7 नवंबर के बीच वीकली स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है. यह ट्रेन शुक्रवार सुबह 9:45 बजे पुणे से रवाना होकर देर रात 2:45 बजे कोटा और गुरुवार सुबह 5:40 बजे सांगानेर पहुंचेगी. वापसी में 27 सितंबर से 8 नवंबर के बीच ट्रेन 01406 सांगानेर से पुणे जंक्शन वीकली स्पेशल चलेगी. सांगानेर से हर शनिवार सुबह 11:35 बजे रवाना होगी. दोपहर 2:55 बजे कोटा व अगले दिन सुबह 9:30 बजे पुणे पहुंचेगी. दोनों तरफ 7-7 फेरे करेगी. इसमें स्लीपर के 6, थर्ड एसी के 4, जनरल के 6, एसएलआर के 2 मिलाकर 18 कोच हैं. वर्तमान में सभी में कंफर्म टिकट मिल रहे हैं. पुणे से ट्रेन की बुकिंग खोल दी गई है. सांगानेर से अभी बाकी है. लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा व सवाई माधोपुर स्टेशन पर रुकेगी.

पारंपरिक श्राद्ध में तकनीक की एंट्री: पुष्कर में वीडियो कॉलिंग से कर्मकांड, ऑनलाइन हुई दान-दक्षिणा

यदि जजमान नहीं आ पाते हैं तो उन्हें वीडियो कॉलिंग के माध्यम से श्राद्ध कर्म में शामिल करवाया जाता है. कई जजमान अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं, इसलिए वीडियो कॉलिंग से संकल्प लेते हैं

अजमेर : पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा भाव रखने का पर्व श्राद्ध पक्ष है. श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म और दान पुण्य किए जाते हैं. तीर्थराज गुरु पुष्कर में 12 माह ही पितरों की शांति और गति के लिए बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री आते रहते हैं, लेकिन श्राद्ध पक्ष में पुष्कर राज का महत्व और भी बढ़ जाता है. श्राद्ध पक्ष में राजस्थान से ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्राद्ध कर्म के लिए पुष्कर आ रहे हैं. खास बात यह है कि देश और विदेश में मौजूद हिन्दू जो पितृपक्ष को मानते हैं और श्राद्ध कर्म के लिए नहीं आ पा रहे हैं, वह भी घर से ही पुष्कर में अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म कर रहे हैं. श्राद्ध को श्रद्धा से किया जाता है. यही वजह है कि तकनीक का फायदा उठाते हुए पुष्कर में तीर्थ पुरोहितों से लोग श्राद्ध कर्म के लिए संपर्क कर रहे हैं. तीर्थ पुरोहित भी अपने जजमान को संकल्प दिलाकर श्राद्ध कर्म उनके नियमित कर रहे हैं. इस प्रक्रिया में दूर बैठे जजमान वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अपनी मौजूदगी दे रहे हैं.

पुष्कर को सभी तीर्थ का गुरु माना गया है. पुष्कर में मौजूद ब्रह्म सरोवर का जल जगत पिता ब्रह्मा के कमंडल के जल के समान माना जाता है. यहां सरोवर के जल को नारायण रूप में पूजा जाता है. तीर्थराज गुरु में श्राद्ध कर्म करने से पितरों को शांति मिलती है. यही वजह है कि सदियों से तीर्थ यात्री पुष्कर में जगत पिता ब्रह्मा के दर्शन के साथ-साथ यहां अपने पितरों को सद्गति मिलने की कामना लेकर श्राद्ध कर्म करते हैं, ताकि पितृ उनसे खुश रहे और परिवार में सुख शांति बनी रहे. श्राद्ध पक्ष में पुष्कर के पवित्र सरोवर के 52 घाटों पर यजमान की श्रद्धा के अनुसार पिंडदान, नारायण बलि, श्रद्धा और दान पुण्य हो रहे हैं. हालांकि, इस बार सरोवर के घाट डूबे हुए हैं, ऐसे में घाटों के ऊपर तबरियों में श्राद्ध कर्म करवाए जा रहे हैं.

घर बैठे भी जजमान करवा रहे हैं श्राद्ध कर्म : तीर्थराज गुरु पुष्कर में श्राद्ध कर्म के लिए तीर्थ यात्री काफी संख्या में आ रहे हैं, लेकिन जो लोग अपने पितरों के श्राद्ध कर्म के लिए यहां नहीं आ पा रहे हैं, वह अपने घर में रहकर ही पुष्कर के पवित्र सरोवर में अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म कर रहे हैं. इस तकनीकी युग में यह भी सम्भव हो गया है. हिन्दू सनातन धर्म के लोग देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी रहते हैं. वह वहां रहते हुए भी वह अपनी धर्म और संस्कृति से जुड़े हुए हैं. यही वजह है कि पुष्कर के महत्व को जानते हुए वह तीर्थ पुरोहितों से संपर्क कर अपने पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान, नारायण बलि के अलावा दान पुण्य भी कर रहे हैं.

वीडियो कॉलिंग से जजमान को दिलाते हैं संकल्प : गणगौर घाट पर तीर्थ पुरोहित पंडित राहुल पाराशर बताते हैं कि बीती पूर्णिमा से लेकर आगामी अमावस्या तक श्राद्ध पक्ष है. श्राद्ध पक्ष पितरों के लिए है. इसमें पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म करवाए जाते हैं. पुष्कर में तीर्थ पुरोहित देश विदेश में बैठे हिंदू सनातनी धर्म को मानने वाले जजमानों के कहने पर उनके पितरों के लिए श्राद्ध कर्म कर रहे हैं. यदि जजमान नहीं आ पाते हैं तो उन्हें वीडियो कॉलिंग के माध्यम से श्राद्ध कर्म में शामिल करवाया जाता है. कई जजमान अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं, इसलिए वीडियो कॉलिंग से संकल्प लेते हैं और अपने काम में जुट जाते हैं. वहीं, कई जजमान श्राद्ध कर्म के दौरान पूरे समय वीडियो कॉलिंग के जरिए जुड़े रहते हैं. कई जजमान अपने परिवार के साथ वीडियो कॉलिंग से जुड़ते हैं.

दान और दक्षिणा भी ऑनलाइन : पंडित पाराशर ने बताया कि जुड़ने वाले श्रद्धालु दान और दक्षिणा भी ऑनलाइन ही करते हैं. ब्राह्मणों को भोजन करवाने के लिए फूड पैकेट का खर्च भी ऑनलाइन ही जजमान वहन करते हैं. पुष्कर आने वाले श्रद्धालु जब प्रथम बार सरोवर के किनारे आते हैं तब तीर्थ पुरोहितों से उनका संपर्क होता है. तीर्थ पुरोहित उन्हें पुष्कर के महत्व और इतिहास के बारे में जानकारी देते हैं. साथ ही यहां श्राद्ध कर्म के महत्व को भी उन्हें बताया जाता है. इसके बाद वह तीर्थ पुरोहितों से जुड़ जाते हैं और श्राद्ध कर्म के लिए पुष्कर आते रहते हैं. यदि नहीं आ पाते हैं तो वीडियो कॉलिंग के माध्यम से जुड़कर अपने पितरों का श्राद्ध कर्म करते हैं.

सोशल मीडिया पेज से श्राद्ध कर्म के लिए संपर्क : गौ घाट पर तीर्थ पुरोहित पंडित रोशन पाराशर बताते हैं कि तीर्थ पुरोहितों के सोशल मीडिया पर अपने पेज होते हैं, जिन्हें देखकर देश-विदेश से श्रद्धालु उनसे संपर्क करते हैं. कई श्रद्धालु नियमित रूप से श्राद्ध पक्ष में आते हैं, लेकिन काम की व्यस्तता से यदि वह नहीं आ पाते हैं तो वीडियो कॉलिंग के माध्यम से वह श्राद्ध क्रम में जुड़ते हैं. उन्हें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है. जजमान के कहे अनुसार ही संकल्प होता है. इसके बाद जजमान की इच्छा अनुसार पिंडदान, तर्पण, नारायण बलि, पितृ शांति के लिए पूजा की जाती है. इसके अलावा ब्राह्मणों के लिए भोजन, दान, दक्षिणा आदि का खर्च भी जजमान ऑनलाइन ही देते हैं.

श्रद्धा होना जरूरी : वराह घाट में प्रधान पंडित रविकांत शर्मा बताते हैं कि कार्य की व्यस्तता के कारण श्राद्ध कर्म के लिए भी कई बार समय नहीं मिल पाता है. यदि जजमान सही गोत्र बताते हैं तो गोत्र के साथ श्राद्ध कर्म किया जाता है तो वह निश्चित रूप से फलीभूत होता है. केवल ब्राह्मण को श्राद्ध कर्म के लिए पैसा दे दिया, लेकिन श्राद्ध कर्म करवाने वाले व्यक्ति के मन में श्रद्धा नहीं है तो श्राद्ध कर्म फलीभूत नहीं होता है. जीते जी यदि अपने जेयष्ठ का मान सम्मान नहीं करते हैं तो उनके जाने के बाद उनके निमित्त श्राद्ध कर्म करवाने का कोई फायदा नहीं है. इंसान के लिए सबसे पहले देवी देवता उसके माता-पिता ही होते हैं, इसलिए जीते जी उनकी खूब सेवा करें, तभी यह कार्य फलीभूत होते हैं. जो लोग अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ना झोलनी होती है. उनके कार्य में अड़चन आती है. घर गृहस्थी में तनाव रहता है. रोजगार नहीं चलता. मन बेचैन रहता है. यह पितरों के कोप के कारण होता है.

फिलिस्तीन मुद्दे पर खामेनेई का बड़ा बयान, क्यों कहा- इजराइली सरकार से यह बात मनवाई जा सकती है?

संवाददाता |

इराक की राजधानी बगदाद में हुए अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में फिलिस्तीनी रेफरेंडम नाम की किताब का विमोचन हुआ. यह किताब ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई के उस प्रस्ताव का समर्थन करती है, जिसमें फिलिस्तीनी मुद्दे के समाधान के लिए जनमत संग्रह कराने का सुझाव दिया गया है. किताब के विमोचन के बाद खामेनेई ने कहा कि इजराइल से जनमत संग्रह की बात मनवाई जा सकती है.

किताब में 3 अहम मुद्दों पर जोर दिया गया है. पहला- गैर-मूल निवासियों को उनके मूल देश लौटने की जरूरत. दूसरा- सभी फिलिस्तीनियों को वोटिंग राइट्स मिले, चाहे वे मुस्लिम, ईसाई या यहूदी हों. तीसरा- जब तक इजराइल, फिलिस्तीनी जनता के सामने नहीं झुकता नहीं, तब तक संघर्ष जारी रहे.

खामेनेई ने क्या कहा?

किताब के विमोचन के बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया X पर लिखा, फिलिस्तीन के बारे में कोई भी योजना अगर फिलिस्तीनियों की मर्ज़ी के बिना बनाई जाती है, तो वह सफल नहीं हो सकती. यह फैसला भी फिलिस्तीनी लोगों की राय से होना चाहिए कि वहां कौन सरकार चलाएगा. जनमत संग्रह (रेफरेंडम) में सभी फिलिस्तीनियों से राय ली जानी चाहिए.

खामेनेई का कहना है कि यह राय उन लोगों से भी लेनी चाहिए जो जबरन फिलिस्तीन से बाहर कर दिए गए थे. चाहे वे मुसलमान, ईसाई या यहूदी क्यों न हों. वही तय करें कि उनके देश में कौन शासन करेगा. फिलिस्तीनी लोगों को अपने हक के लिए राजनीतिक और सैन्य संघर्ष तब तक जारी रखना चाहिए. अगर विरोध करने वाले डटे रहें, तो इजराइली सरकार से यह मांग मनवाई जा सकती है.

किताब का अरबी अनुवाद भी आया

किताब का लोकार्पण प्रो. सय्यद जासिम अल-जजायरी, हमास के मोहम्मद अल-हाफी, ईरानी उप-राजदूत डॉ. अज़ीज़ पनाह, पॉपुलर मोबलाइजेशन फोर्सेज (PMF) के पूर्व कमांडर शेख अबू अकील अल-काज़िमी, डॉ. मोहम्मद अखग़री, शहीद अहमद अल-मुहन्ना के पिता और गाजा की घायल महिला अस्माहन जुमआ की मौजूदगी में हुआ. शनिवार को किताब का अरबी अनुवाद भी जारी किया गया.

अब तक नहीं भरा इनकम टैक्स रिटर्न? टेंशन छोड़ें, इन 10 बातों का रखें ध्यान

संवाददाता |

Indergarh- आज यानी 15 सितंबर को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का आखिरी दिन है. अगर आपने अभी तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल नहीं किया है, तो आप वाकई हिम्मत वाले इंसान हैं. इस हिम्मत को आपको बरकरार रखना होगा. इसका कारण भी है. जिस तरह से आखिरी दिनों में इनकम टैक्स की वेबसाइट पर लोग टूटे हैं, उसके बाद से उन्हें रिटर्न फाइल करने में परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है. ऐसे आपको घबराने की जरुरत बिल्कुल भी नहीं है. 15 सितंबर यानी आज भी आप अपना रिटर्न फाइल कर सकते हैं. साथ ही अपने आपको फाइन से भी बचा सकते हैं. वैसे कुछ जानकारों का ये भी कहना है कि जिस तरह से डेट एक्सटेंड करने की डिमांड सामने आ रही है, उससे लग रहा है कि मिनिस्ट्री लोगों को 15 दिनों का समय और दे दे.

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के अनुसार 6 करोड़ से ज्यादा रिटर्न दाखिल हो चुके थे, और अगर इस बार 10 फीसदी ज़्यादा टैक्सपेयर्स भी अपना रिटर्न दाखिल करते हैं, तो भी इस बार लगभग 8 करोड़ रिटर्न दाखिल होंगे (पिछले साल के 7.28 करोड़ के आंकड़ों के आधार पर). इसका मतलब है कि और 2 करोड़ रिटर्न दाखिल हो सकते हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रिटर्न दाखिल करने के लिए कौन सी 10 बातों का ध्यान रखना काफी जरूरी है.

सबसे पहले, अगर आप पहली बार आईटीआर भर रहे हैं, तो लॉग इन करने से पहले आपको आईटी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा.

लॉग इन करने के बाद, आप टैक्स कैलकुलेटर की मदद से अपने कुल टैक्स का आकलन कर सकते हैं. कैलकुलेटर की मदद से, आप अपनी वर्तमान आय और कटौतियों को ध्यान में रखते हुए यह पता लगा सकते हैं कि आपकी कर देयता कितनी है.

फिर आप उस टैक्स रिजीम का विकल्प चुन सकते हैं जिससे कर कम हो. इनकम टैक्स पोर्टल पुरानी और नई कर व्यवस्थाओं के अनुसार तुलनात्मक कर भी देता है.

आपकी आय और कर देयता से संबंधित डिटेल वाले आवश्यक दस्तावेज़ों तक आपकी पहुंच होना ज़रूरी है. इन दस्तावेज़ों में फ़ॉर्म 16, ब्याज प्रमाणपत्र, AIS (वार्षिक सूचना विवरण) और TIS (करदाता सूचना सारांश) शामिल हैं.

फ़ॉर्म 16 नियोक्ता द्वारा जारी किया जाता है, जबकि ब्याज प्रमाणपत्र नेट बैंकिंग से डाउनलोड किया जा सकता है. AIS और TIS को आयकर पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है.

याद रखने वाली एक और ज़रूरी बात यह है कि सही आयकर फ़ॉर्म चुनें. जहां ITR-1 और ITR-2 वेतनभोगी पेशेवरों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं, वहीं ITR-3 बिजनेस और प्रोफेशनल्स के लिए हैं. इस बार, आप 1.25 लाख रुपए तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर भी ITR-1 दाखिल कर सकते हैं.

आपके पास मौजूद जानकारी (फ़ॉर्म 16) और कर दस्तावेज़ों (26AS) में दी गई जानकारी में कुछ अंतर हो सकता है. ऐसे मामलों में, इस अंतर का समाधान ज़रूरी है. अगर कोई अंतर है, तो करदाता को आयकर विभाग से एक दोषपूर्ण रिटर्न नोटिस भी मिल सकता है.

लगभग सभी को ज़रूरी फ़ॉर्म डाउनलोड करने में समस्या आ रही है क्योंकि साइट अभी धीमी है. इसलिए, आपको घबराना नहीं चाहिए और शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए.

अगर आप पहली बार रिटर्न दाखिल कर रहे हैं, तो आप अपना रिटर्न दाखिल करने के लिए किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट या कर विशेषज्ञ की मदद ले सकते हैं. यह महंगा हो सकता है, लेकिन इससे आपको काफ़ी पैसे बचेंगे जो आपको दोषपूर्ण रिटर्न की स्थिति में चुकाने पड़ते.

अंत में, लेकिन सबसे ज़रूरी बात, अपने रिटर्न का वेरिफिकेशन ज़रूर करें. अगर आप रिटर्न वेरिफाई नहीं करते हैं, तो आपका रिटर्न अमान्य हो सकता है.

बाहुबली (प्रभास) की मां शिवगामी देवी का रोल राम्या कृष्णन ने निभाया था

'बाहुबली' की एक्ट्रेस, जिन्होंने अमिताभ बच्चन और गोविंदा संग किया रोमांस, OTT पर देखें उनकी 5 बेस्ट हिंदी फिल्में

15 सितंबर 1970 को चेन्नई में जन्मीं राम्या ने तमिल फिल्म वेल्लाई मानसउ (1985) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इनकी पहली मलयालम फिल्म नीरम पुलारुमबोल (1986) थी और पहली तेलुगू फिल्म भलाए मिथरुलु (1986) थी

● 2015 और 2017 में एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली के दो पार्ट्स आए, दोनों पार्ट्स ने दुनियाभर में जबरदस्त कमाई की थी. इस फिल्म में बाहुबली (प्रभास) की मां शिवगामी देवी का रोल राम्या कृष्णन ने निभाया था. उनका रोल काफी पॉपुलर हुआ था. इसके पहले कई फिल्मों में हीरो के साथ लीड रोल में नजर आईं और उन फिल्मों में उन्होंने रोमांटिक सीन भी दिए. राम्या तमिल एक्ट्रेस हैं, लेकिन उन्होंने तेलुगू, मलायलम और कन्नड़ भाषाओं के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम किया है.

15 सितंबर 1970 को चेन्नई में जन्मीं राम्या ने तमिल फिल्म वेल्लाई मानसउ (1985) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इनकी पहली मलयालम फिल्म नीरम पुलारुमबोल (1986) थी और पहली तेलुगू फिल्म भलाए मिथरुलु (1986) थी.

राम्या ने रजनीकांत और कमल हासन जैसे सुपसस्टार्स के साथ भी लीड रोल में फिल्में की हैं. राम्या की पहली हिंदी फिल्म परंपरा (1993) थी, इसके बाद उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया. यहां आपको उनकी 5 बेहतरीन हिंदी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं.

'खलनयाक'

1993 में रिलीज हुई सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म खलनायक में राम्या का काम कुछ देर का था, लेकिन उसमें ही वो कमाल कर गई थीं. फिल्म में संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ लीड रोल में नजर आए थे और ये फिल्म आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

'चाहत'

1996 में रिलीज हुई फिल्म चाहत के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर महेश भट्ट थे. ये फिल्म उस साल की एवरेज फिल्म थी, लेकिन इसके गाने हिट हुए थे. फिल्म में शाहरुख खान, पूजा भट्ट और राम्या कृष्णन अहम किरदारों में थे. इनके अलावा अनुपम खेर, नसीरुद्दीन शाह भी नजर आए थे. ये फिल्म आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं.

'बड़े मियां छोटे मियां'

1998 में रिलीज हुई हिट फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के डायरेक्टर डेविड धवन थे. फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ राम्या कृष्णन की जोड़ी थी और सेकेंड लीड जोड़ी गोविंदा और रवीना टंडन की थी. इनके अलावा इस फिल्म में अनुपम खेर, परेश रावल, सतीश कौशिक जैसे कलाकारों ने अहम किरदार निभाए थे. फिल्म में माधुरी दीक्षित का कैमियो भी था जो एक गाने के लिए नजर आई थीं. इस रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

'बनारसी बाबू'

1997 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म बनारसी बाबू के डायरेक्टर डेविड धवन थे. फिल्म में गोविंदा और राम्या कृष्णन लीड रोल में थे, जबकि बिंदू, कादर खान, शक्ति कपूर, रीमा लागू और आसिफ शेख भी अहम किरदारों में नजर आए थे. ये फिल्म आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

'शपथ'

1997 में रिलीज हुई राजीव बब्बर की फिल्म शपथ में राम्या जैकी श्रॉफ के साथ नजर आई थीं. फिल्म में इनके अलावा मिथुन चक्रवर्ती और विनीता जैसे कलाकार थे. फिल्म शपथ उस साल की हिट फिल्मों में एक थी और इस फिल्म को आप यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं.

फिलिस्तीन मुद्दे पर खामेनेई का बड़ा बयान, क्यों कहा- इजराइली सरकार से यह बात मनवाई जा सकती है?

इराक की राजधानी बगदाद में हुए अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में फिलिस्तीनी रेफरेंडम नाम की किताब का विमोचन हुआ. यह किताब ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई के उस प्रस्ताव का समर्थन करती है, जिसमें फिलिस्तीनी मुद्दे के समाधान के लिए जनमत संग्रह कराने का सुझाव दिया गया है. किताब के विमोचन के बाद खामेनेई ने कहा कि इजराइल से जनमत संग्रह की बात मनवाई जा सकती है.

किताब में 3 अहम मुद्दों पर जोर दिया गया है. पहला- गैर-मूल निवासियों को उनके मूल देश लौटने की जरूरत. दूसरा- सभी फिलिस्तीनियों को वोटिंग राइट्स मिले, चाहे वे मुस्लिम, ईसाई या यहूदी हों. तीसरा- जब तक इजराइल, फिलिस्तीनी जनता के सामने नहीं झुकता नहीं, तब तक संघर्ष जारी रहे.

खामेनेई ने क्या कहा?

किताब के विमोचन के बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया X पर लिखा, फिलिस्तीन के बारे में कोई भी योजना अगर फिलिस्तीनियों की मर्ज़ी के बिना बनाई जाती है, तो वह सफल नहीं हो सकती. यह फैसला भी फिलिस्तीनी लोगों की राय से होना चाहिए कि वहां कौन सरकार चलाएगा. जनमत संग्रह (रेफरेंडम) में सभी फिलिस्तीनियों से राय ली जानी चाहिए.

खामेनेई का कहना है कि यह राय उन लोगों से भी लेनी चाहिए जो जबरन फिलिस्तीन से बाहर कर दिए गए थे. चाहे वे मुसलमान, ईसाई या यहूदी क्यों न हों. वही तय करें कि उनके देश में कौन शासन करेगा. फिलिस्तीनी लोगों को अपने हक के लिए राजनीतिक और सैन्य संघर्ष तब तक जारी रखना चाहिए. अगर विरोध करने वाले डटे रहें, तो इजराइली सरकार से यह मांग मनवाई जा सकती है.

किताब का अरबी अनुवाद भी आया

किताब का लोकार्पण प्रो. सय्यद जासिम अल-जजायरी, हमास के मोहम्मद अल-हाफी, ईरानी उप-राजदूत डॉ. अज़ीज़ पनाह, पॉपुलर मोबलाइजेशन फोर्सेज (PMF) के पूर्व कमांडर शेख अबू अकील अल-काज़िमी, डॉ. मोहम्मद अखज़ारी, शहीद अहमद अल-मुहन्ना के पिता और गाजा की घायल महिला अस्माहन जुमआ की मौजूदगी में हुआ. शनिवार को किताब का अरबी अनुवाद भी जारी किया गया.

आज का राशिफल

16 September Ka Rashifal: आज 16 सितम्बर मंगलवार के दिन मेष राशि वालों को मज़बूत रिश्तों और बढ़े हुए आत्मविश्वास से लाभ होगा. छोटे निवेश फलदायी होंगे. वृषभ राशि वाले आर्थिक प्रबंधन समझदारी से करें. धनु राशि वालों को आर्थिक लाभ हो सकता है. पढ़ें आज का अपना राशिफल.

मेष (अ, ल, इ)

रिश्तों में भी सुधार आएगा. अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल आपके मन को प्रसन्न करेंगे. स्वास्थ्य की दृष्टि से शारीरिक गतिविधि और योग के लिए कुछ समय निकालें. इससे न केवल आपका शरीर तंदुरुस्त रहेगा, बल्कि मानसिक शांति भी मिलेगी. आर्थिक स्थिति में भी सुधार की संभावना है. छोटे-छोटे निवेश लाभदायक साबित हो सकते हैं. ध्यान रखें कि योजनाओं के प्रति उत्सुकता दिखाते हुए, धैर्य भी बनाए रखें. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आप नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे

वृष (ब, व, उ, ए)

आपको आर्थिक मामलों में सावधानी बरतनी होगी; सोच-समझकर निर्णय लें ताकि भविष्य में आपको किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े. स्वास्थ्य की दृष्टि से, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम पर ध्यान दें. यह समय आत्म-देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अनुकूल है. आपका ध्यान किसी खास परियोजना या रुचि की ओर जा सकता है, जो आपकी रचनात्मकता को एक नया मोड़ देगा

मिथुन (क, छ, घ, ह)

संवाद में स्पष्टता और समझदारी ज़रूरी है. परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से आपको सुकून मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके कई अटके हुए प्रोजेक्ट आगे बढ़ सकते हैं. अपना ध्यान केंद्रित रखें और किसी भी तरह की भागदौड़ से बचने की कोशिश करें. स्वास्थ्य के लिहाज़ से, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना ज़रूरी है

कर्क (ड, हे से)

कार्यक्षेत्र में आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिल सकता है, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा. साहस और निष्ठा के साथ आगे बढ़ें. रिश्तों में संवाद की कमी हो सकती है, इसलिए धैर्य रखें और खुलकर अपनी बात कहें. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना ज़रूरी है

सिंह (म, ट से)

टीम के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें, क्योंकि सामूहिक प्रयास ही सफलता की कुंजी है. आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा. निजी जीवन में परिवार का सहयोग और समर्थन आपको मज़बूती देगा. पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए आप सकारात्मक रुख अपनाएंगे. प्रेम संबंध भी मधुर होंगे

कन्या (प, ठ, ण, ट)

अपने विचार साझा करने में संकोच न करें, क्योंकि आपकी योजनाएं फलदायी साबित होंगी. आज निजी रिश्तों में समझौता करना ज़रूरी हो सकता है. अपने करीबी लोगों से खुलकर बातचीत करें. यह दिन आपके भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए भी सराहनीय रहेगा

तुला (र, त से)

आज आपकी रचनात्मकता चरम पर होगी, इसलिए इस समय का उपयोग अपने शौक या प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित करने में करें. कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपका सहयोग करेंगे, इसलिए टीम भावना से काम करना लाभदायक साबित होगा. आर्थिक मामलों में संयम बरतने की सलाह दी जाती है; अनावश्यक खर्चों से बचें

वृश्चिक (न, य)

आज रिश्तों को लेकर आपकी संवेदनशीलता बढ़ेगी, जिससे आप प्रियजनों के साथ गहरी बातचीत में शामिल होंगे. अगर आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, तो समझदारी से आगे बढ़ने की कोशिश करें. अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करें; इससे आपके रिश्ते मज़बूत होंगे. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना ज़रूरी है; थोड़ी सी लापरवाही आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है

धनु (ये, ध, फ, भ)

आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें. किसी पुराने निवेश से आपको लाभ हो सकता है, लेकिन सतर्क रहना ज़रूरी है. पारिवारिक रिश्तों में संतुलन बनाए रखें और परिवार के सदस्यों के साथ संवाद को बढ़ावा दें; इससे आपसी समझ बढ़ेगी. स्वास्थ्य पर ध्यान दें. नियमित व्यायाम और उचित आहार पर ध्यान देने से आप ऊर्जावान महसूस करेंगे

मकर (भो, ज, ख, ग)

कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने से आपके रिश्ते मज़बूत होंगे. धीरे-धीरे निजी जीवन में भी सकारात्मकता आएगी; अपनों के साथ समय बिताने से मन में खुशी का एहसास होगा. स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ी शांति और ध्यान ज़रूरी होगा

कुंभ (गु, स, श, ष, द)

आज आपकी रचनात्मकता चरम पर होगी, इसलिए अपने विचारों को लिखने या किसी कला में खुद को अभिव्यक्त करने का समय आ गया है. नए प्रोजेक्ट्स पर काम करने से आपको संतुष्टि मिलेगी. स्वास्थ्य के लिहाज से, नियमित रूप से व्यायाम करने का प्रयास करें. ध्यान और योग आपके मानसिक स्वास्थ्य में मदद करेंगे

मीन (दि, चा, झ, थ)

आपके रिश्ते भी मधुर होंगे, खासकर परिवार के सदस्यों के साथ. आज उन पुराने मुद्दों को सुलझाने का सही समय है जो आपको परेशान कर रहे थे. दोस्तों के साथ समय बिताने से आपका मन हल्का होगा. स्वास्थ्य के लिहाज से, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें. ध्यान और साधना आपको शांति प्रदान करेंगे. अपने शरीर की ज़रूरतों का ध्यान रखना न भूलें.